

मध्य प्रदेश के दो शिक्षक 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित

चर्चा में क्यों?

5 सितंबर, 2022 को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वजिज्ञान भवन नई दिल्ली में मध्य प्रदेश के दो शिक्षकों नीरज सकसेना और ओमप्रकाश पाटीदार को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2022 से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि इस वर्ष देश भर से 46 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये चुना गया था, जिनमें मध्य प्रदेश के दो शिक्षक भी शामिल थे।
- रायसेन ज़िले के शासकीय प्राथमिक शाला सालेगढ़ में पदस्थ शिक्षक नीरज सकसेना को जनजाति इलाके में शिक्षा के स्वरूप को बदलने के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके जुनून की बदौलत भील जनजाति क्षेत्र के बच्चों के शैक्षणिक स्तर में वृद्धि हुई है। बुनियादी आवश्यकताओं में सुधार कर उन्होंने एक आदर्श स्कूल स्थापित किया है।
- शाजापुर ज़िले के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में पदस्थ वजिज्ञान के लेक्चरर ओमप्रकाश पाटीदार ने शाजापुर के लिये लोक जैव-विविधता पंजी तैयार करवाई है। उन्होंने वजिज्ञान को तकनीक से जोड़कर आईसीटी का प्रयोग करते हुए वजिज्ञान जैसे कठिन विषय को विद्यार्थियों के लिये बेहद सरल बना दिया है।
- गौरतलब है कि शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय का स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग प्रतिवर्ष 5 सितंबर को एक राष्ट्रीय समारोह का आयोजन करता है, जिसमें देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।
- पुरस्कारों के लिये शिक्षकों का चयन ऑनलाइन तीनस्तरीय चयन प्रक्रिया के ज़रिये पारदर्शी तरीके से किया जाता है।
- शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने का उद्देश्य देश के शिक्षकों के अनूठे योगदान को रेखांकित करना और ऐसे शिक्षकों का सम्मान करना है, जिन्होंने अपनी प्रतिबद्धता व परिश्रम से न सिर्फ स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया है, बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध किया है।